

जंगल मीटिंग



लेखन – डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

चित्रांकन – श्रेयस रजनीश व्यास

आभार

कार्यक्रम समन्वयक

प्रो. उषा शर्मा, प्रोफ़ेसर एवं प्रभारी,
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

लेखन

डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

चित्रांकन

श्रेयस रजनीश व्यास

मार्गदर्शन

प्रो. नीना सबनानी, एनिमेटर एवं सहायक संकाय,
डिज़ाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

आभार ज्ञापन

श्री श्याम सिंह सुशील, लेखक

श्री अक्षय कुमार दीक्षित, मेंटर, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली
डॉ. प्रसाद एस ओंकार, प्रमुख (डिज़ाइन) एवं एसोसिएट प्रोफ़ेसर, आई.आई.टी., हैदराबाद

प्रो. दीपक जॉन मैथ्यू, प्रोफ़ेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

श्री डेल्विन जूड रेमेडियोज, सहायक प्रोफ़ेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

श्रीमती अंकिता रॉय, सहायक प्रोफ़ेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

डॉ. मोहम्मद शाहिद, सहायक प्रोफ़ेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

डॉ. सौरव देवरी, सहायक प्रोफ़ेसर, डिज़ाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

डॉ. शुहिता भट्टाचार्जी, सहायक प्रोफ़ेसर, उदार कला विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

श्री गौतम गोस्वामी, सहायक प्रोफ़ेसर, एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग,

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर

श्री मोहम्मद शाह आलम, वरिष्ठ परामर्शदाता (आई.सी. टी.),

राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री भावना खेड़ा, कनिष्ठ परियोजना अध्येता,

राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली



जंगल बैसार

लेखन
डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

चित्रांकन
श्रेयस रजनीश व्यास

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

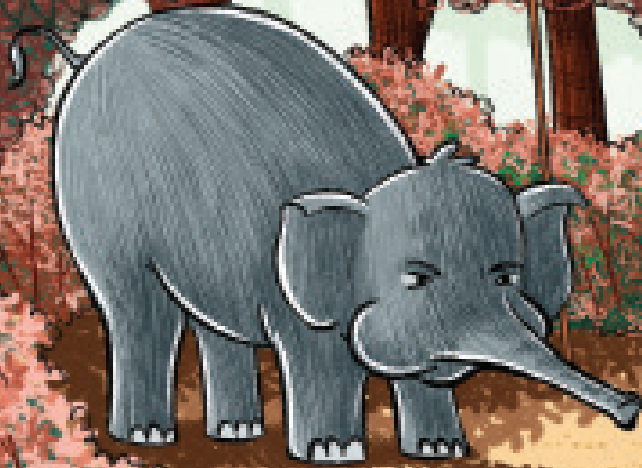
भोरेसँ चुलबुल चुहिया आ बिटू गौरैयाकेँ साँसो लेबाक फुर्सत नहि भेटलनि । हुनका सब के घरे घर जाक' आइ होमय बला बैसारक बारेमे सब के जानकारी देब आ सम्मानपूर्वक आमंत्रित करबाक काज सौंपल गेल छल ।





ओ कोनाक सफाई
छूटल अछि!

आपातकालीन बैठक



ओ कोनाक सफाई
छूटल अछि!



पछिला 10 बरिसमे
मानव गतिविधि केर
बहुत रास दुष्प्रभाव
जानवरक जीवन पर
देखल गेल अछि ।
भविष्यमे एहि सबसँ
कोना बँचल जाए ताहि
विषय पर बैसार भ'
रहल छला।

हमर इजोत कि हुनका सभकेँ
कम पड़ि रहल छलैक?



सभटा जानवर आ चिड़ै केर आगमनक बाद बैसार शुरू भेला।



कहू, की नव पीढ़ी
अपन मूल्य बिसरि रहल
अछि?

हमरा सभ बुजुर्ग के कियैक
नहि बजाओल गेल?



पीपल दादा अहाँ क्रोध
जुनि करु।



हम अहाँकेँ बिसरल
नहि छी। अगिला
सप्ताह गाछ-बिरिछ
सभ केर अलगसँ
बैसार तय कएल
गेल अछि।



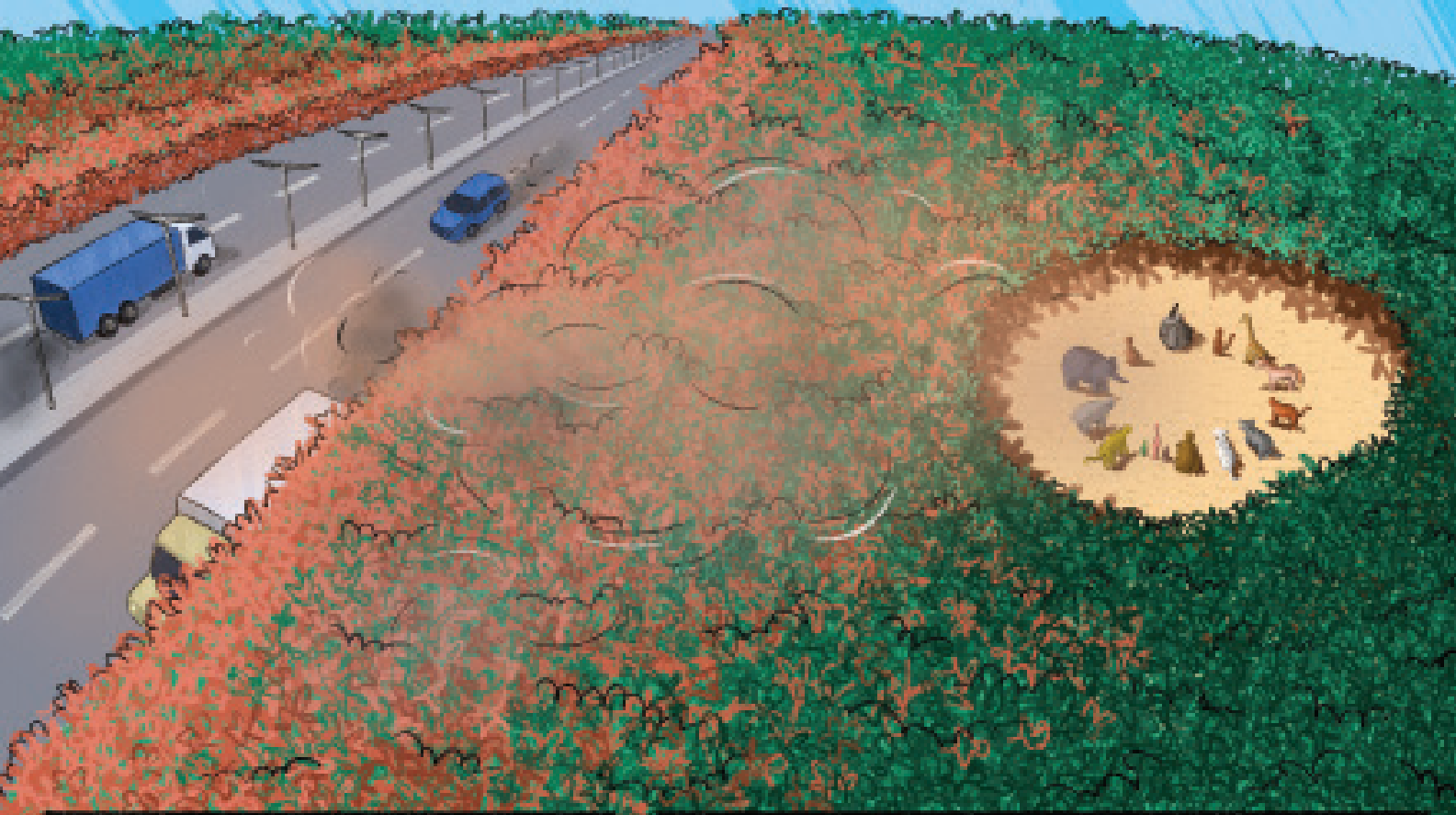


इ कोन बात भेल?
जखन हम संग
रहैत छी आ अपन
सुख-दुख बाँटै छी
तखन बैसार फराक
किएक?



मनुक्खक ई
अत्याचार हमरो
सभ पर भ'
रहल अछि।

ई तखने
सफल हएत
जखन हम
सब मिलिकय
योजना
बनाबी।



सड़क दिसक हमर
डारि सदिखन
मुरझाइत रहैत रहैत
छैक। पौधा आ
जानवरक समस्या
एकेटा थिक



पीपल दादा ठीके कहैत
छथि।

एहि बैसारमे गाछ-
बिरिछ के सेहो शामिल
कएल जाएत ।



हिनको बात एजेंडा मे
शामिल कएल जाए....

आ कार्यवाही के
आगू बढ़ाओल
जाए।

आब मोनू मोरसँ
आग्रह करब जे
ओ हमरासभके
समस्याक बारे मे
बताबथु।



एक-एक क' कए मोनू सभ समस्या सबहक सोझाँ प्रस्तुत कएलनि ।



जल केर प्राकृतिक स्रोत गायब भेनाया।



बांध बना क' पानि पर एकाधिकार स्थापित केनाया।



राति भरि सडक पर पैघ-पैघ बत्ती जरनाया।



विकिरणक कारण जानवर सबहक मृत्यु भेनाया।



धूरा आ धुँआ बढ़नाया।



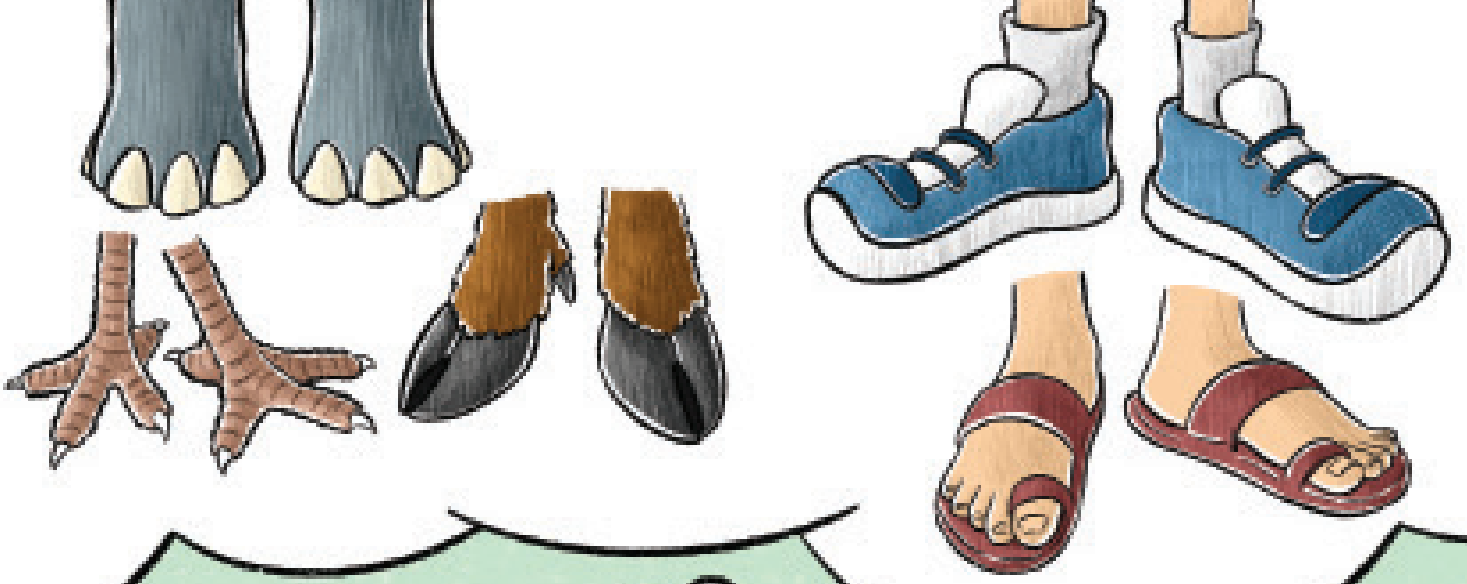
वन क्षेत्र के लगातार सिकुड़नाया।



गाछ काटि पैघ-पैघ सडक बनेनाइ।



फूल आ पौधाक मुरझेनाया।



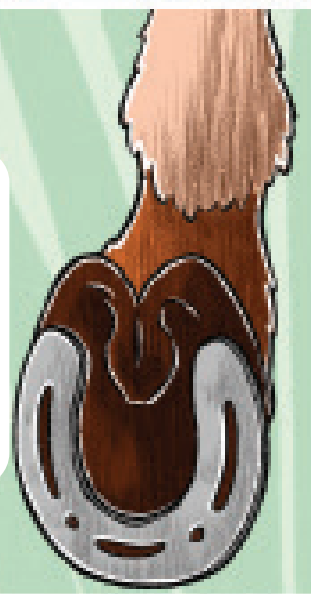
अहाँ हमार बात सुनू
सड़क आ कंक्रीटक फर्श
पर चलब लोहाक बट
चिबेनाय जकाँ होइत छैक
।

सुनने रही जे जीव दू
तरहक होइत अछि –
जूता पहिरनिहार आ
नहि पहिरनिहार।



आ हमरा लागल
जे हम दोसर तरहक
जीवमे अबै छी।

मुदा देख !
ई लोकनि
हमरो जूता
पहिरा
देलनि।





हमर सेहो सुनु...
खाद्य पदार्थमे
ई मिलावट
कहियासँ होमय
लागल?

आब हमर मिरचाइक
स्वाद पहिले जकाँ
एकदम्मे नहि छैका
लगैत अछि जेना
केओ केमिकल मिला
देने अछि !



ई के
कहलक ?

हमहूँ किछु
कहय चाहैत
छी।



हम! मिनी चुटी!
हम सब एतेक
चिंतित छी।
ई मनुक्खक
बच्चासभ जतय
हमरा सभ केँ
देखैयै, ओ सभ
हमरा सभक जान
लेबाक लेल तैयार
भ' जाइयौ।

हमसब त' कहियो
हुनका सभके
कोनो दिक्कति
नहि देलहुँ।



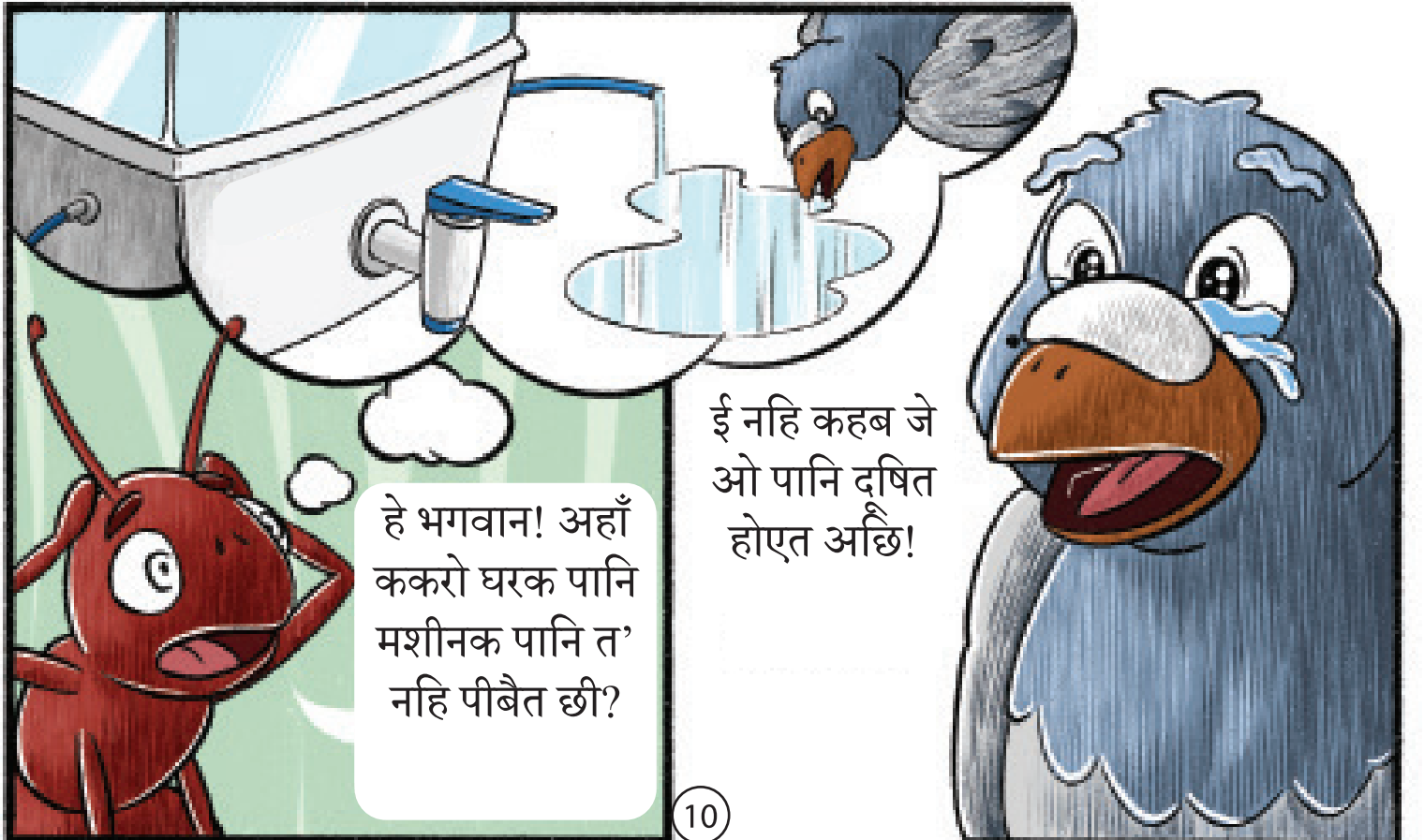
लेट भेला पर क्षमाप्रार्थी
छी।



ई देखु! हमर कतेक
पांखि खसय
लागल अछि।

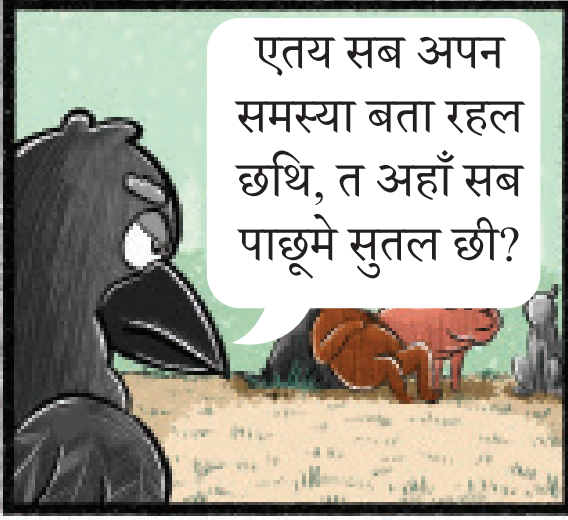
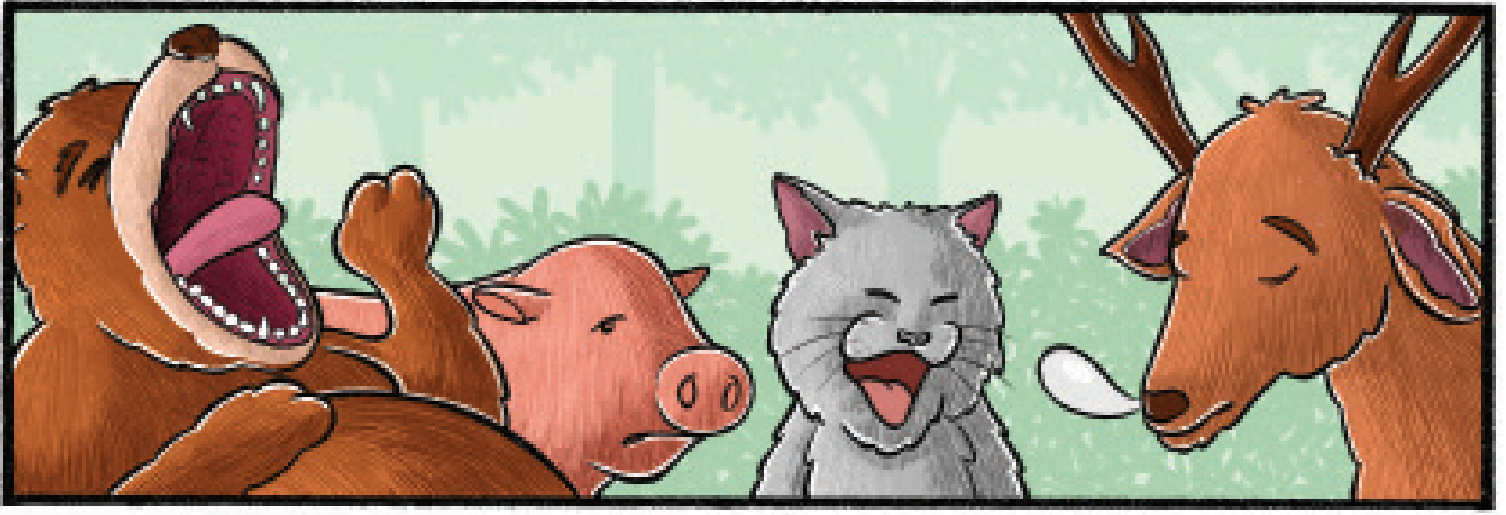
हमर पूर्वजक संग
एहन कहियो नहि
भेला।

हमर मदद करू।



हे भगवान! अहाँ
ककरो घरक पानि
मशीनक पानि त'
नहि पीबैत छी?

ई नहि कहब जे
ओ पानि दूषित
होएत अछि!



एतय सब अपन
समस्या बता रहल
छथि, त अहाँ सब
पाछूमे सुतल छी?



मित्रगण, ई बहुत
गंभीर मुद्दा अछि।
हमरा एहि पर
गहीर भ' क'
सोचए पड़ता।



हमर प्रस्ताव अछि जे एहि विषय पर तीन दिवसक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीक आयोजन
कएल जाय आ ओहिमे दुनिया भरिक विद्वान लोकनिकें आमंत्रित कएल जाय।



संगहि मनुष्यकें
सेहो गप्प-सप्प
लेल आमंत्रित
कएल जाए।



आ एहि संग मुन्नु घोंघाक धन्यवाद ज्ञापनक
बाद बैसार समाप्त भ' गेल ।



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING